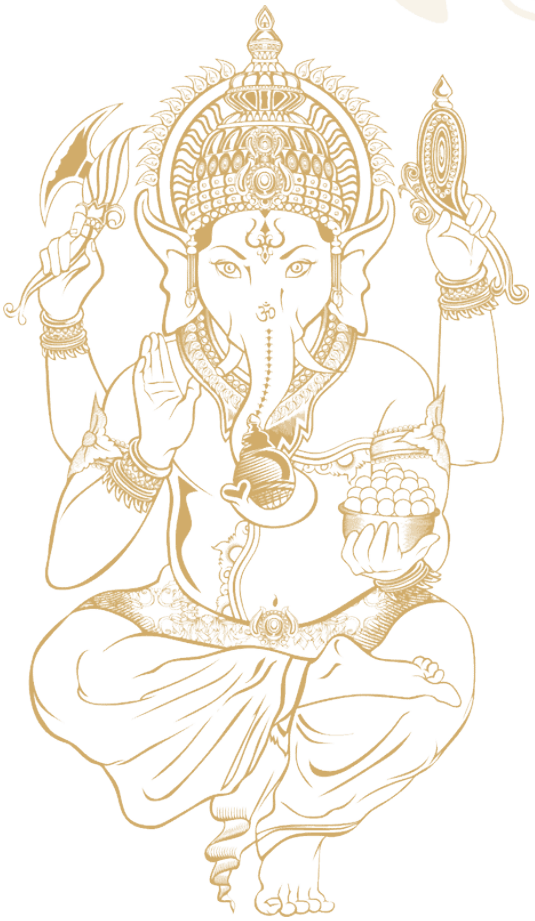

Mr. Navratan

Ms. Urja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119383802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/1995	जन्म तिथि	30/03/1998
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:47:00	जन्म समय	16:35:00 घंटे
घटी 18:28:02	जन्म समय(घटी)	25:30:50 घटी
India	देश	India
Bhatinda	स्थान	Bikaner
30:10:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
74:58:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:08	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:47	सूर्योदय	06:29:51
18:15:08	सूर्यास्त	18:52:49
23:47:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 3वर्ष 1मा 5दि		20:43:28	धनु	लग्न	सिंह	16:05:21	शुक्र 11वर्ष 11मा 19दि	
राहु		14:52:19	कन्या	सूर्य	मीन	15:42:56	चन्द्र	
07/11/2021		24:36:01	धनु	चंद्र	मेष	18:41:14	18/03/2016	
08/11/2039		23:09:21	तुला	मंगल	मीन	25:56:47	19/03/2026	
राहु	20/07/2024	20:37:15	कन्या व	बुध व	मीन	27:14:34	चन्द्र	17/01/2017
गुरु	14/12/2026	16:52:01	वृश्चि	गुरु	कुंभ	19:00:19	मंगल	18/08/2017
शनि	20/10/2029	26:16:15	कन्या	शुक्र	मक	29:14:57	राहु	17/02/2019
बुध	08/05/2032	26:12:37	कुंभ व	शनि	मीन	27:44:49	गुरु	18/06/2020
केतु	27/05/2033	02:49:49	तुला व	राहु व	सिंह	16:25:39	शनि	17/01/2022
शुक्र	26/05/2036	02:49:49	मेष व	केतु व	कुंभ	16:25:39	बुध	19/06/2023
सूर्य	20/04/2037	02:44:00	मक व	हर्ष	मक	17:58:53	केतु	18/01/2024
चन्द्र	20/10/2038	28:58:36	धनु व	नेप	मक	07:59:55	शुक्र	17/09/2025
मंगल	08/11/2039	04:49:49	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:07:44	सूर्य	19/03/2026

लग्न-चलित

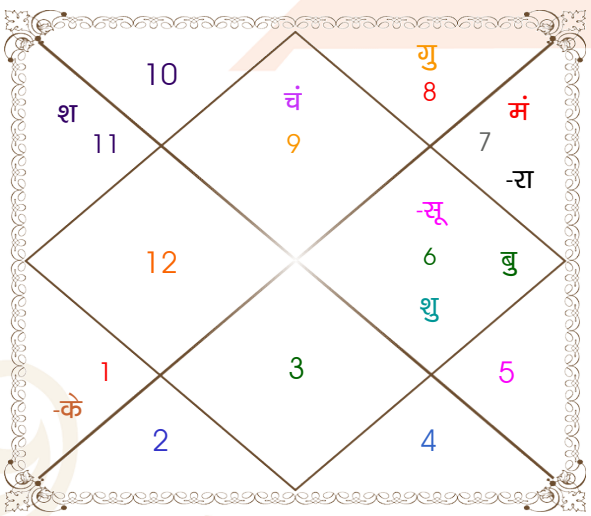

लग्न-चलित

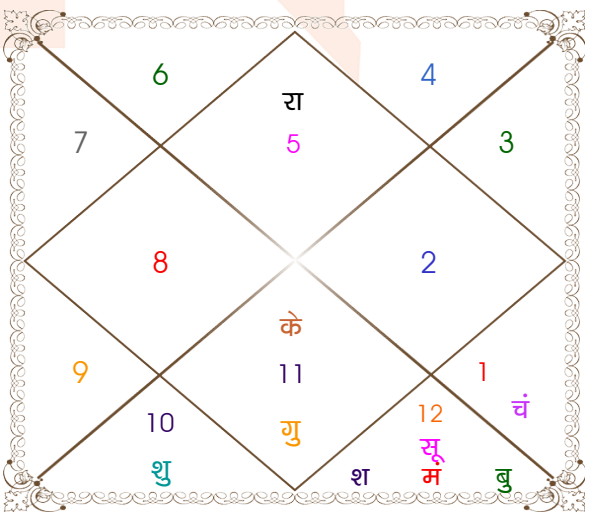

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Navratan का वर्ग श्वान है तथा डेण न्तरं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Navratan और डेण न्तरं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Navratan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण न्तरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण न्तरं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Navratan कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Navratan तथा डेण न्तरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।